co-operative societies. This scheme has not yet been introduced in Bihar. Such societies are not being financed by the commercial banks under this scheme in Saharsa District.

कृषक बचत योजनायें

6360. **श्री चिरंजीव झा** . क्या वित्त मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या बिहार मे हुई राष्ट्रीय बचत सम्बन्धी केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड की गत बैठक मे राज्यो के वित्त मत्रियो ने "कृषक बचत योजना" प्रारम्भ करने की माग की थी; और यदि हा, तो यह कब तक लागू की जायेगी और इसका सक्षिप्त ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : 10 फरवरी 1973 को पटना मे हुई केन्द्रीय राष्ट्रीय बचत सलाहकार बोर्ड की पिछली बैठक मे उत्तर प्रदेश के वित्त मत्री ने उन किसानो का मनोबल ऊचा करने के उद्देश्य से, जो अपनी बचतों को भली भाति नियोजित कर सकते हैं, "किसान बचत पत्र" चालू करने का सुझाव दिया था जिन्हें सहकारी समितियो आदि की मार्फत बेचा जा सकता है। उत्तर प्रदेश सरकार से प्रस्तावों का ब्यौरा प्राप्त होने पर इस सुझाव पर और आगे विचार किया जायेगा।

बिहार में बैंकों की शाखाएं और औद्योगिक तथा कृषि क्षेत्रों के लिए दिए गए ऋण

6361. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या वित्त मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से पहले बैंको की कुल कितनी शाखाएं थी; और बैंको के राष्ट्रीयकरण के बाद कितनी शाखाए खोली गई; और

(ख) वर्ष 1972 के दौरान बिहार मे राष्ट्रीयकृत बैंको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रो और कृषि क्षेत्रों को क्रमश: कितना ऋण दिया गया ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) बिहार मे वाणिज्यिक बैंको की शाखाओ की संख्या जो 19 जुलाई, 1969 को 274 थी, बढकर दिसम्बर, 1972 के अन्त मे 575 हो गयी।

(ख) उपलब्ध सूचना नीचे दी गयी है :—

जून, 1972 के अन्तिम शुक्रवार को बिहार में राष्ट्रीयकृत बैंको के द्वारा दिये गये अग्रिम :

(लाख रुपयों मे)

	खातो की संख्या	स्वीकृत सीमा	बकाया रकम
		(रुपये)	(रुपये)
कृषि*			
(क) प्रत्यक्ष वित्त . . .	15065	351.43	280.00
(ख) अप्रत्यक्ष वित्त . . .	966	229.54	186.05
लघु उद्योग** . . .	1100	990.60	592.11

*अनन्तिम आकड़ें

**अन्य उद्योगो को दिये गये अग्रिमों का विवरण अलग से उपलब्ध नही है ।